अब रुकेगी टिकटों की कालाबाजारी

रेलवे के रेलवन एप पर मिलेगी 9 सुविधाएं

भोपाल. रेलवे यात्री सुविधाओं के लिए एक ही प्लेटफार्म पर रेलवन एप के माध्यम से सुविधा लेकर आ गया है. पहले ही दिन एप में अपडेट आ गया.

टिकटों की कालाबाजारी रोकने के लिए 15 जुलाई से आधार नंबर अपडेट करने के बाद ही आएगा. उसके बाद ही यात्री टिकट बुक करवा पाएंगे. पहले दिन एप को डाउनलोड करने के बाद पता चला एप ठीक तरीके से काम कर रहा है. टिकटों की बुकिंग भी आसानी से हो रही है.

रेलवे अधिकारियों के मुताबिक, पीएनआर नं. डालने के बाद स्टेट्स पता चल रहा है सहित अन्य सुविधाएं भी ठीक तरीके से कार्य कर रही है. इसके पहले रेलवे की सुविधा के लिए कई तरह के अलग अलग एप जैसे टिकट, ट्रेन की लाइव लोकेशन और शिकायत के लिए अलग एप डाउनलोड करना पड़ता था. अब एक ही रेलवन एप के माध्यम से यात्रियों को मोबाइल में नौ तरह की सुविधाएं मिल जाएगी. उनको कई तरह के एप डाउनलोड करने की आवश्यकता नहीं होगी.

ये रेलवे की एक बहुत अच्छी पहल है. अब सारी सुविधाएं एक ही एप पर मिलेगी. रेलवन एप ठीक तरीके से काम कर रहा है. टिकट की जानकारी, ट्रेन सर्च, ट्रेन की लाइव लोकेशन, कोच पोजिशन, फूड आर्डर सहित अन्य सुविधाएं ठीक तरीके से काम कर रही हैं. एक ट्रेवल एजेंट के अनुसार ये एप पहले दिन अन्य एप की तरह ही काम कर रहा है. रेलवे सभी सुविधाओं को को एक ही प्लेटफार्म पर ले ये बहुत ही बढ़िया प्लेटफार्म है. पहले ही दिन एप में अपडेट आ गया. यदि कोई यात्री 10 या 15 टिकट बुक करता है, तो जिस व्यक्ति के आईडी से टिकट बुक कराया जा रहे है. उसके पर्सनल आईडी पर ओटीपी आएगा.

> इस एप के माध्यम से यात्री आरक्षित टिकट में जाने के बाद (सामान्य, महिला लोअर बर्थ, दिव्यांग, तत्काल एवं प्रीमियम तत्काल, अनारक्षित), जनरल टिकट के विकल्प दे रहा है. आप अपने आर-वॉलेट के माध्यम से अनारक्षित यूटीएस टिकट खरीदने पर तीन फीसदी की छूट, मासिक सीजन पास, लाइव ट्रेन ट्रैकिंग, पीएनआर स्टेटस चेक करने, ई-कैटरिंग में रेलवे फूड आर्डरिंग सुविधा (भोजन), पोर्टर बुकिंग (पार्सल सुविधा), शिकायत और रेल हेल्पलाइन सेवा, लास्ट-माइल टैक्सी जैसी सुविधाएं रिजर्वेशन करते वक्त कई ऑप्शन आते हैं.

रेलवे हॉकी टीम ने जीती प्रतियोगिता

8वीं राष्ट्रीय इनडोर में मुंबई को हराया

नवभारत रिपोर्टर

भोपाल, 2 जुलाई. रेलवे मंडल की भोपाल हॉकी टीम ने एक बार फिर अपनी श्रेष्ठता सिद्ध की है. टीम ने 8वीं राष्ट्रीय इनडोर हॉकी प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन किया.

यह प्रतियोगिता महाराष्ट्र के नासिक शहर में आयोजित की गई थी. प्रतियोगिता के पहले ही मैच में भोपाल रेलवे टीम ने पंजाब को 3-0 से हराकर अपने विजय अभियान की जोरदार शुरुआत की. इसके बाद क्वार्टर फाइनल में टीम ने वेस्ट बंगाल पर 3-0 की जीत दर्ज की और सेमीफाइनल में झारखंड को कड़े मुकाबले में 6-5 से पराजित करते हुए फाइनल में प्रवेश किया.

> विजयी टीम के भोपाल लौटने पर मंडल रेल प्रबंधक देवाशीष त्रिपाठी, अपर मंडल रेल प्रबंधक रश्मि दिवाकर, खेल अधिकारी प्रशांत यादव, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ कटारिया, वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी विजय सिंह और वरिष्ठ मंडल अभियंता ऋतुराज शर्मा ने टीम को बधाई दी. विजेता टीम को शील्ड ट्रॉफी से सम्मानित किया गया.

तीन नाबालिग बच्चों को भीख मंगवाने से बचाया

रेलवे की ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते की थीम पर नजर

नवभारत रिपोर्टर

भोपाल, 2 जुलाई. आरपीएफ भोपाल ने ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते के तहत तीन नाबालिग बच्चों को सुरक्षित बचाया.

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ कटारिया ने बताया कि उप निरीक्षक अवधेश कुमार एवं आरक्षक कृष्ण कुमार ने गाड़ी संख्या 22538 में नर्मदापुरम से भोपाल तक गहन चेकिंग के दौरान स्लीपर कोच में एक बालक और दो बालिकाओं को यात्रियों से भीख मांगते हुए पाया. पूछताछ में बच्चों ने अपने नाम व पते बताए, मानसी (15 वर्ष), अनुष्का (15 वर्ष) और गणेसु (7 वर्ष), सभी निवासी नाला मोहल्ला, इटारसी, जिला होशंगाबाद (मप्र). बच्चों ने पूछताछ में बताया कि उनके माता-पिता काम पर चले जाते हैं और वे अपना खर्च चलाने के लिए ट्रेनों में भीख मांगते हैं.

आरपीएफ टीम द्वारा तत्परता से तीनों बच्चों को आरपीएफ पोस्ट भोपाल लाया गया. इसके बाद बाल कल्याण समिति सदस्य धनीराम पवार को मोबाइल पर सूचित किया गया. उनके निर्देशानुसार तीनों बच्चों को स्वास्थ्य परीक्षण के बाद बाल निकेतन भवन, हमीदिया रोड, भोपाल में सुपुर्द किया गया.

> भोपाल मंडल रेल प्रशासन द्वारा इस प्रकार की कार्यवाहियों के माध्यम से मानव तस्करी एवं बाल शोषण के विरुद्ध जागरूकता और सतर्कता बनाए रखते हुए यात्रियों से भी अपील की जाती है कि यदि कहीं इस प्रकार की गतिविधि नजर आए तो तत्काल रेल सुरक्षा बल या रेलवे अधिकारियों को सूचित करें, ताकि समय रहते बच्चों को सुरक्षा प्रदान की जा सके.

भोपाल को जल्द मिलेगा नया कमिश्नर, दिल्ली जाएंगे मिश्र

भोपाल, 2 जुलाई. मध्यप्रदेश पुलिस विभाग में बड़ा बदलाव होने वाला है. भोपाल को जल्द नया पुलिस कमिश्नर मिलेगा. भोपाल के पुलिस कमिश्नर हरिनारायण चारी मिश्र केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर जाने वाले हैं.

वे सेंट्रल डेपुटेशन के लिए एलिजिबल हो गए हैं. केंद्रीय प्रतिनियुक्ति के लिए पात्र अधिकारियों में एमपी कैडर के 2 आईपीएस शामिल हैं, एक हरिनारायण चारी मिश्र और दूसरे अनुराग हैं. आईपीएस हरीनारायण चारी मिश्र के केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर जाने के बाद भोपाल में नए पुलिस कमिश्नर की नियुक्ति होगी. केंद्र में हरिनारायण चारी मिश्र संयुक्त सचिव या इसके समकक्ष पद की जिम्मेदारी दी जा सकती है. मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति (एसीसी) ने भारत सरकार में संयुक्त सचिव या समकक्ष पदों के लिए 19 अधिकारियों को पैनलबद्ध किया है. इसमें एमपी कैडर के 2003 बैच के आईपीएस अधिकारी पुलिस कमिश्नर हरि नारायण चारी मिश्र और इसी बैच के अनुराग का नाम भी शामिल है. अनुराग अभी इंदौर ग्रामीण के पुलिस महानिरीक्षक हैं. इन दोनों के अलावा लिस्ट में 11 आईपीएस अधिकारियों के भी नाम हैं.

भोपाल होगा भिक्षावृत्ति मुक्त

संस्थाओं से 15 जुलाई तक प्रस्ताव आमंत्रित

भोपाल, 2 जुलाई. भारत सरकार के सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय की एसएमआईएलई उपयोजना के तहत भोपाल जिला को भिक्षावृत्ति मुक्त बनाने के उद्देश्य से चयनित किया गया है. भिक्षावृत्ति में संलग्न व्यक्तियों के पुनर्वास हेतु विशेष रूप से आश्रय स्थल/भिक्षुक गृह की स्थापना की जाना है. इस आश्रय स्थल के संचालन के लिए अनुभवी और सक्षम स्वैच्छिक संस्थाओं/संगठनों से 15 जुलाई शाम 5 बजे तक प्रस्ताव आमंत्रित किए गए हैं. उल्लेखनीय है कि कलेक्टर भोपाल द्वारा 3 फरवरी 2025 को भिक्षावृत्ति करने व भिक्षा देने पर प्रतिबंध लगाने का आदेश जारी किया गया है. इच्छुक संस्थाएं अपना प्रस्ताव संयुक्त संचालक, सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण, शेड नं. 01, कमिश्नर कार्यालय के पीछे, पुराना सचिवालय, भोपाल में डाक, स्वयं उपस्थित होकर, या ईमेल के माध्यम से भेज सकती है.

संयुक्त संचालक सामाजिक न्याय ने बताया कि जो संस्थायें शर्तें पूर्ण करती हैं वह आवेदन कर सकती है. संस्था सोसायटी रजिस्ट्रेशन/फर्म/लोक न्यास अधिनियम के अंतर्गत पंजीकृत हो. वर्तमान वैध कार्यकारिणी हो. कार्यकारिणी द्वारा प्रस्ताव पारित किया गया हो.

कांग्रेस में बड़े बदलाव की संभावना

नाम लगभग तय, कई नेताओं की होगी वापसी

भोपाल. प्रदेश में दोनों राजनीति पार्टियां अपने-अपने संगठन को दुरुस्त करने में पूरी ताकत लगा रही हैं. प्रदेश कांग्रेस अब फील्ड में युवाओं को उतरने पर काम कर रहा है. इसके लिए विभिन्न स्तर पर मंथन चल रहा है. संगठन को मजबूत करने के लिए कांग्रेस जल्द ही सभी जिलों में नए जिलाध्यक्षों की नियुक्ति करने जा रही है.

अंदरूनी मंथन का दौर पूरा हो चुका है. अब दिल्ली में कांग्रेस हाईकमान के पास पैनल पहुंच चुके हैं और जुलाई के पहले या दूसरे हफ्ते में जिलाध्यक्षों के नाम सामने आ सकते हैं. मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, कांग्रेस इस बार गुजरात की तर्ज पर बदलाव कर रही है. यानी संगठन को चुस्त-दुरुस्त करने के लिए जिलाध्यक्षों की नियुक्ति में पुराने चेहरों के साथ-साथ नए, ऊर्जावान और जमीनी नेताओं को तरजीह दी जा रही है. जो लोग जिलों में सक्रिय हैं, जनता और कार्यकर्ताओं से जुड़े हैं और सरकार के खिलाफ आवाज उठाने में पीछे नहीं रहते, उन्हें प्राथमिकता मिल सकती है.

फिलहाल प्रदेश में 70 संगठनात्मक जिले हैं, जिनमें 55 शहरी और 15 ग्रामीण हैं. इनमें दो-दो जिलाध्यक्ष बनाए जाते हैं. खास बात यह है कि इस वक्त 5 जिलों में पद खाली हैं.

व्यवसायी और बैंक सखी से मिली पहचान

ज्योति लोधी योजना के लाभ से बनी आत्मनिर्भर

नवभारत रिपोर्टर

भोपाल, 2 जुलाई. जिले के ग्राम गुनगा की रहने वाली एक महिला शासकीय योजना का लाभ लेते हुए आत्मनिर्भरता की प्रेरणास्त्रोत बनी है.

महिला ज्योति लोधी ने यह सिद्ध कर दिया है कि यदि संकल्प और सरकार की योजनाएं साथ हों, तो कोई भी महिला आत्मनिर्भरता की ऊँचाइयाँ छू सकती है. कभी सीमित संसाधनों में जीवन गुजारने वाली ज्योति आज एक सफल व्यवसायी और बैंक सखी के रूप में गाँव की पहचानी जाने लगी हैं. ज्योति ने प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के तहत इंडियन बैंक से 1,00,000 का

ऋण प्राप्त कर जनरल स्टोर की शुरुआत की. इसके बाद उन्होंने स्वयं सहायता समूह के माध्यम से 50,000 का अतिरिक्त ऋण लेकर अपने व्यवसाय को और आगे बढ़ाया. यही नहीं, वे अब बैंक सखी के रूप में ग्रामीणों को उनके द्वार तक बैंकिंग सुविधाएँ भी उपलब्ध करा रही हैं — जिसमें फॉर्म भरना, दस्तावेज़ों की फोटोकॉपी, और योजना संबंधी मार्गदर्शन शामिल है. इन सभी प्रयासों से उनकी मासिक आमदनी अब 13,000 से 14,000 तक पहुँच चुकी है. ज्योति का कहना है, सरकार की योजनाएँ अगर सही समय पर और समझदारी से अपनाई जाएं, तो हर महिला अपने जीवन में बदलाव ला सकती है. आज ज्योति लोधी न केवल आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर हैं, बल्कि वे अपने आत्मविश्वास और समर्पण के दम पर ग्राम गुनगा की अन्य महिलाओं के लिए एक प्रेरणास्त्रोत बन चुकी हैं.

भोपाल रेलवे स्टेशन जाने वाली सड़क पानी-पानी

भोपाल. भोपाल में बारिश के दौरान अल्पना टाकीज तिराहे पर जलभराव की समस्या होने से राहगीरों को आवागमन में असुविधाओं का सामना करना पड़ रहा है.

धरने पर बैठे सैकड़ों ई-रिक्शा संचालक

नवभारत रिपोर्टर

भोपाल, 2 जुलाई. राजधानी की सड़कों पर ई-रिक्शा संचालकों की समस्या को लेकर विरोध प्रदर्शन किया गया. बुधवार को नीलम पार्क जहांगीराबाद में विरोध प्रदर्शन किया गया.

आम आदमी पार्टी भोपाल इकाई के द्वारा इस संबंध में चर्चा की गई. आप नेता डीके धुवारे ने जानकारी साझा करते हुए बताया कि रिक्शा चालकों की समस्या पिछले कई दिनों से सामने आ रही है. भोपाल मे 1000 ई - रिक्शा संचालित है. सड़कों पर चालकों को कई तरह की समस्याओं से गुजरना पड़ रहा है. जिसके चलते विरोध प्रदर्शन किया गया. उन्होंने बताया कि इस मामले में निराकरण नहीं होने पर जल्द ही पूरे भोपाल मे आम आदमी पार्टी के साथ मिलकर रिक्शा चालक सड़कों पर विरोध प्रदर्शन करेंगे.

गैर घरेलू बिजली कनेक्शन के लिए करें एप पर आवेदन

नवभारत रिपोर्टर

भोपाल, 2 जुलाई. मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने कहा है कि ऐसे उपभोक्ता जो अपने आवासीय परिसर में रेस्ट हाउस, गेस्ट हाउस, पेइंग गेस्ट, प्रायवेट होस्टल या अन्य व्यवसायिक गतिविधियों जैसे कोचिंग क्लासेस, ब्यूटी पार्लर आदि चलाते हैं.

उन्हें कंपनी ने सलाह दी है कि वे मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के सरल संयोजन पोर्टल अथवा एप के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर अपने प्रयोजन को घरेलू से गैर घरेलू (व्यवसायिक) श्रेणी में परिवर्तित करवा लें. कंपनी ने उपभोक्ताओं से यह भी अपील की है कि उपभोक्ता ने जिस प्रयोजन के लिए कनेक्शन लिया है, उसी के अनुसार विद्युत का उपभोग करें. उदाहरण के लिए यदि किसी उपभोक्ता ने घरेलू (लाइट और फैन) का कनेक्शन लिया है तो वे केवल उस परिसर को निवास के रूप में उपयोग करें. कंपनी ने कहा है कि सघन चैकिंग अभियान के दौरान किसी भी प्रकार की व्यवसायिक गतिविधि आवासीय परिसर में संचालित की जा रही है तो ऐसी गतिविधियों को गैर घरेलू प्रयोजन में माना जाएगा और संबंधित दोषी उपभोक्ता से जुर्माना वसूल किया जाएगा.

डिवाइडर से टकराई कार दोनों टायर हुए अलग

भोपाल. सुभाष नगर ब्रिज पर भीषण सड़क हादसा हुआ है. जहां एक तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर पलट गई, जिसका लाइव वीडियो भी सामने आया है. वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है. कार में दो लोग सवार थे. वीडियो में देखा जा सकता है कि तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकराई और फिर पलट गई. हादसे में घायल दोनों लोगों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया है.

नीट यूजी दोबारा होगी या नहीं इसे लेकर असमंजस बरकरार

भोपाल. नीट यूजी दोबारा होगी या नहीं, इसे लेकर असमंजस बरकरार है. परीक्षा के दौरान हुई अव्यवस्थाओं को लेकर हाई कोर्ट में 107 से ज्यादा याचिकाएं दायर हुई थीं.

एकलपीठ ने सिर्फ उन्हीं अभ्यर्थियों की दोबारा परीक्षा लेने का आदेश दिया था जिन्होंने 3 जून से पहले याचिका दायर की थी. ऐसे अभ्यर्थियों की संख्या 75 है. शेष बचे 32 याचिकाकर्ता एकलपीठ के इस आदेश को चुनौती देते हुए अपील दायर करने की तैयारी कर रहे हैं. इनका कहना है कि परीक्षा केंद्र की बिजली गुल की वजह से वे भी पर्चा हल नहीं कर पाए थे, इसलिए उनकी भी दोबारा परीक्षा होना चाहिए. चार मई को एनटीए ने देशभर में नीट-यूजी आयोजित की थी. परीक्षा के लिए इंदौर में 49 सेंटर बनाए गए थे. परीक्षा के दिन शहर में जोरदार वर्षा के चलते पूरे शहर की बिजली गुल हो गई. परीक्षा केंद्रों पर वैकल्पिक व्यवस्था नहीं होने से कई परीक्षा केंद्र में अंधेरा छा गया और परीक्षार्थियों को मोमबत्ती की रोशनी में परीक्षा देना पड़ी. परीक्षा के दौरान हुई अव्यवस्था को लेकर अभ्यर्थियों ने हाई कोर्ट में याचिका दायर की. एकलपीठ ने इन याचिकाओं में फैसला सुनाते हुए एनटीए से कहा था कि वह ऐसे सभी अभ्यर्थियों के लिए दोबारा परीक्षा आयोजित करे, जिन्होंने तीन जून से पहले याचिका दायर की थी.

रुकावट ▶ मंत्रियों और डीईओ के बीच खींचतान में शिक्षक परेशान

डेढ़ हजार शिक्षक अभी भी तबादले के इंतजार में बैठे

भोपाल, 2 जुलाई. प्रदेश के पांच जिलों में प्रभारी मंत्रियों की अनुमोदित तबादला सूची को जिला शिक्षा अधिकारी के स्तर पर रोक दिया गया है. इसकी वजह से इन जिलों के डेढ़ हजार शिक्षकों का स्वैच्छिक तबादला अधर में लटक गया है.

स्वैच्छिक तबादलों की प्रक्रिया 20 जून को ही बंद हो गई है. अब गेंद मुख्यमंत्री के पाले में है. वह चाहेंगे तभी इस सूची में शामिल शिक्षकों का तबादला हो पाएगा. वहीं स्कूल शिक्षा विभाग के सचिव डॉ. संजय गोयल का कहना है कि अगर शासन स्तर से दिशा-निर्देश मिलेंगे तो ही शिक्षकों के तबादले की प्रक्रिया शुरू की जाएगी. सामान्य तौर पर अब साल भर तबादले नहीं होंगे. भोपाल के प्रभारी मंत्री चेतन कश्यप ने 50 शिक्षकों की सूची अनुमोदित कर भेजी थी. डीईओ एनके अहिरवार ने बताया कि उस सूची से 21 शिक्षकों के तबादले किए गए. अन्य शिक्षक अपात्र थे, इस कारण उनका स्थानांतरण नहीं हुआ. कुल मिलाकर भोपाल में सिर्फ प्रभारी मंत्री की आधी बात मानने की बात सामने आ रही है.

रायसेन जिले में प्रभारी मंत्री नारायण सिंह पंवार की ओर से अनुमोदित सूची के बाद भी 236 शिक्षकों के तबादले नहीं हुए. जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ) डीडी रजक ने यह कहते हुए सूची में शामिल नामों को पोर्टल पर अपलोड नहीं किया कि मंत्री का निजी स्टाफ फोन पर नाम दर्ज करवाना चाहता था. रायसेन के प्रभारी मंत्री नारायण सिंह पंवार का कहना है कि उन्होंने इस मामले की शिकायत शिक्षा मंत्री और मुख्यमंत्री से की है. अकेले रायसेन ही नहीं धार, सिवनी, आगर मालवा व छतरपुर में करीब डेढ़ हजार शिक्षकों के तबादले वहां के डीईओ ने प्रभारी मंत्री के अनुमोदन के बाद भी नहीं किए हैं.

> **42 हजार शिक्षकों का स्वैच्छिक तबादले का आवेदन**
>
> बता दें कि प्रदेश के 42 हजार शिक्षकों ने स्वैच्छिक तबादले का आवेदन किया था. इनमें से सिर्फ आठ हजार का तबादला किया गया. इसमें सभी गंभीर बीमारी से पीड़ित, तलाकशुदा या किसी अन्य कारण वाले शिक्षक शामिल हैं. प्रशासकीय स्तर पर पांच हजार आवेदन आए थे, जिसमें से दो हजार का तबादला किया गया. शिक्षा विभाग के अधिकारियों का कहना है कि तबादले 20 जून तक ही होने थे. अब इस सूची में शामिल लोगों के तबादले के लिए शासन स्तर से निर्देश चाहिए. इसके लिए कैबिनेट में प्रस्ताव लाना होगा.

एमपी नगर मंडल अध्यक्ष वित्तमंत्री से मिले

क्षेत्र के कई मुद्दों को लेकर की चर्चा

भोपाल. जिला भारतीय जनता पार्टी के एमपी नगर मंडल अध्यक्ष निर्भय धाकड़ ने विभिन्न समस्याओं को लेकर डिप्टी सीएम और वित्तमंत्री जगदीश देवड़ा से चर्चा की.

इस दौरान धाकड़ ने बताया कि एमपी नगर मंडल की नवीन कार्यकारिणी अभी निष्क्रिय है, जिसके गठन को लेकर चर्चा हुई. साथ ही उन्होंने डिप्टी सीएम देवड़ा से कहा कि एमपी नगर व्यावसाहिक क्षेत्र है, ऐसे में वहां की सुरक्षा व्यवस्था पर पुलिस की निगरानी बढ़ाने की ओर ध्यान दिलवाने का भी आग्रह किया.

डिप्टी सीएम ने सभी मांगों पर गंभीरता से विचार करने का आश्वासन दिया है. मंडल अध्यक्ष धाकड़ ने डिप्टी सीएम जगदीश देवड़ा को जन्मदिन की भी बधाई और शुभकामनाएं भी दी. इस दौरान धाकड़ के साथ मंडल के अन्य पदाधिकारी भी मौजूद थे.